पाठ - संघर्ष के कारण मैं तुनुकमिज़ाज हो गया: धनराज

शब्दार्थ –

1. सुप्रसिद्ध – विख्यात , मशहूर , जिसे बहुत से लोग जानते हों
2. साक्षात्कार – साक्षात्कार में दो या दो से अधिक व्यक्ति किसी विशिष्ट निश्चित उद्देश्य को सामने रखकर आमने-सामने की परिस्थिति में बातचीत करते हैं , (इंटरव्यू) , आँखों के सामने उपस्थित होना , भेंट , मुलाकात
3. संपादित – जिसे पूरा किया गया हो (काम) , जिसे ठीक करके प्रकाशन के योग्य बनाया गया हो (समाचारपत्र , लेख आदि)
4. अंश – भाग , खंड , हिस्सा , छोटा टुकड़ा
5. कष्टसाध्य – जिसे करना कठिन हो , मुश्किल से होने वाला , श्रमसाध्य
6. हैसियत – आर्थिक सामर्थ्य , सामाजिक मान – मर्यादा , प्रतिष्ठा , इज़्ज़त , रुतबा
7. धीरज – धैर्य , संतोष , सब्र , दृढ़ता , मन की स्थिरता
8. कद-काठी – शरीर की बनावट या संरचना , शरीर का आकार – प्रकार
9. दबदबा – प्रभाव , आतंक , डर , रोब
10. भिड़ना – लड़ाई – झगड़ा कराना
11. जुझारू – संघर्षशील , जूझने वाला , लड़ने वाला , योद्धा , वीर , बहादुर
12. बेहतरीन – बहुत अच्छा , उत्तम , नेक
13. उम्मीद – आशा , अपेक्षा , आसरा , भरोसा , सहारा
14. मायूसी – मायूस होने की अवस्था या भाव , निराशा , उत्साहहीनता , नाउम्मीदी
15. व्यक्तित्व – पृथक अस्तित्व , निजी विशेषता
16. विस्मय – आश्चर्य , ताज़्ज़ुब , अचंभा
17. खीझ – वह क्रोध जो मन – ही – मन रहे , झुँझलाहट , कुढ़न , भड़ास , खुंदक
18. ठेठ – जिसमें बनावटीपन न हो , शुद्ध , निपट , देशी
19. फिसड्डी – किसी काम में पिछड़ा हुआ , प्रतियोगिता या प्रयत्न आदि में सबसे पीछे रह जाने वाला , अकुशल, निकम्मा
20. तुनुकमिशाज – मुँह फट
21. आक्रामक – आक्रमण करने वाला , आक्रमण करने की मुद्रा वाला
22. जूझना – डटकर मुकाबला करना , संघर्ष करना , विषम परिस्थितियों का सामना करना , ताकत लगाकर कुछ करने की कोशिश करना
23. कद्र – गुण की परख , आदर , आदर – सत्कार , इज़्ज़त , प्रतिष्ठा , सम्मान
24. अहमियत – महत्व

egyanarchive

25.प्रसिद्धि – प्रसिद्ध होने की अवस्था या भाव , शोहरत , ख्याति , सफलता
26.विनम्रता – विनम्र होने की अवस्था या भाव , शिष्टता , सुशीलता , शालीनता
27.कृत्रिम – जो प्राकृतिक न हो , मानव – निर्मित , आर्टिफ़िशल , नकली , बनावटी , दिखावटी
28.गुर – किसी काम को करने की युक्ति , तरकीब , उपाय , मूलमंत्र
29.नामी – नामवाला , प्रतिष्ठित , मशहूर , प्रसिद्ध , यशस्वी
30.शोहरत – प्रसिद्धि , ख्याति , व्यापक चर्चा
31.हैसियत – आर्थिक सामर्थ्य , सामाजिक मान – मर्यादा , प्रतिष्ठा , इज़्ज़त , रुतबा
32.गाढ़ी कमाई – कड़ी मेहनत से अर्जित धन या संपत्ति
33.प्रतिष्ठा – मान – मर्यादा , सम्मान , इज़्ज़त

प्रश्न-अभ्यास

साक्षात्कार से

प्रश्न 1. साक्षात्कार पढ़कर आपके मन में धनराज पिल्लै की कैसी छवि उभरती है? वर्णन कीजिए।

उत्तर-

धनराज सीधा-सरल जीवन व्यतीत करने वाले मध्यमवर्गीय परिवार से नाता रखने वाले हैं। वे देखने में बहुत सुंदर नहीं हैं। हॉकी के खेल में इतनी प्रसिद्धि प्राप्त करने का जरा भी अभिमान उनमें नहीं है। आम लोगों की भाँति लोकल ट्रेनों में सफर करने में भी कतराते नहीं। विशेष लोगों से मिलकर बहुत प्रसन्नता का अनुभव करते हैं। उन्हें माँ से बहुत लगाव है। इतनी प्रसिद्धि पाने पर भी आर्थिक समस्याओं से जूझते रहें। उन्हें हॉकी खेल से बहुत लगाव है। लोग भले ही उनको तुनुकमिज़ाज समझे लेकिन वे बहुत सरल हृदय मनुष्य हैं।

egyanarchive

प्रश्न 2. धनराज पिल्लै ने जमीन से उठकर आसमान का सितारा बनने तक की यात्रा तय की है। लगभग सौ शब्दों में इस सफ़र का वर्णन कीजिए।

उत्तर-

धनराज पिल्लै का बचपन काफ़ी आर्थिक संकटों के बीच गुजरा है। उन्होंने गरीबी को काफ़ी करीब से देखा है। धनराज पिल्लै ने ज़मीन से उठकर आसमान का सितारा बनने तक का सफर तय किया है। उनके पास अपने लिए एक हॉकी स्टिक तक खरीदने के पैसे नहीं थे। शुरुआत में मित्रों से उधार लेकर और बाद में अपने बड़े भाई की पुरानी स्टिक से उन्होंने काम चलाया लेकिन आखिरकार उनकी मेहनत रंग लाई। अंत में मात्र 16 साल की उम्र में उन्हें मणिपुर में 1985 में जूनियर राष्ट्रीय हॉकी खेलने का मौका मिला। इसके बाद इन्हें सन् 1986 में सीनियर टीम में स्थान मिला। उस वर्ष अपने बड़े भाई के साथ मिलकर उन्होंने मुंबई लीग में अपने बेहतरीन खेल से खूब धूम मचाई। अंततः 1989 में उन्हें ऑलविन एशिया कप कैंप के लिए चुना गया। उसके बाद वे लगातार सफलता की सीढ़ियों पर चढ़ते रहे और उन्होंने फिर कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

प्रश्न 3. 'मेरी माँ ने मुझे अपनी प्रसिद्धि को विनम्रता से सँभालने की सीख दी है'–धनराज पिल्लै की इस । बात का क्या अर्थ है?

उत्तर- इस बात का तात्पर्य है कि मनुष्य चाहे कितनी भी सफलता की सीढ़ियाँ चढ़ जाए उसे कभी घमंड नहीं करना चाहिए और किसी को अपने से छोटा नहीं समझना चाहिए। माँ की इसी सीख को उन्होंने जीवन में अपनाया है।

साक्षात्कार से आगे

प्रश्न 1. ध्यानचंद को हॉकी का जादूगर कहा जाता है। क्यों? पता लगाइए।

उत्तर -

ध्यानचंद को हॉकी का जादूगर कहा जाता है क्योंकि जैसे जादूगर अपने दाव-पेंचों से हमारी ही आँखों के सामने न जाने क्या-क्या करतब कर दिखाता है और हम दाँतों तले उँगली दबा लेते हैं वैसे ही ध्यानचंद भी हॉकी खेलने में माहिर हैं। कोई भी ऐसा दाव-पेंच नहीं जो उन्हें न आता हो। कोई भी हॉकी में उन्हें मात नहीं दे सकता।

प्रश्न 2. किन विशेषताओं के कारण हॉकी भारत का राष्ट्रीय खेल कहा जाता है?

उत्तर-

हॉकी का खेल काफ़ी पहले ज़माने से भारत में खेला जाता रहा है। इसे राजा-महाराजाओं से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों के लोग भी बड़े चाव से खेला करते थे। आज भी इस खेल के प्रति रुचि देश एवं विदेशों में बना हुआ है। इस खेल को खेलने में अधिक पैसों की जरूरत नहीं पड़ती है। पुराने जमाने के लोग पेड़ों की टहनियों से इस खेल को खेला करते थे। यह खेल वर्षों से लगातार आगे ही बढ़ता जा रहा है। यह सीमित संसाधन में खेला जाने वाला खेल है। इसलिए इसे भारत का राष्ट्रीय खेल माना जाता है।

eqyanarchive

प्रश्न 3. आप समाचार-पत्रों, पत्रिकाओं में छपे हुए साक्षात्कार पढ़ें और अपनी रुचि से किसी व्यक्ति को चुनें, उसके बारे में जानकारी प्राप्त कर कुछ प्रश्न तैयार करें और साक्षात्कार लें।

उत्तर-

छात्र स्वयं करें।

अनुमान और कल्पना

प्रश्न 1. यह कोई जरूरी नहीं कि शोहरत पैसा भी साथ लेकर आए-'क्या आप धनराज पिल्लै की इस बात से सहमत हैं? अपने अनुभव और बड़ों से बातचीत के आधार पर लिखिए।

उत्तर-

हम धनराज पिल्लै के इस बात से सहमत हैं कि कोई ज़रूरी नहीं कि शोहरत पैसा भी साथ लेकर आए। उनका यह कथन बिलकुल सच है क्योंकि धनराज को स्वयं जितनी शोहरत मिली उतना पैसा प्राप्त नहीं हुआ। वे काफ़ी समय तक आम

लोगों की भाँति लोकल ट्रेनों में सफ़र करते रहे, जिसे देखकर लोग हैरान होते थे। हमारे देश में कई ऐसे उदाहरण हैं जिन्हें प्रसिद्ध व्यक्तियों को आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ा है। मसलन प्रेमचंद, मशहूर शहनाई वादक उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ का उदाहरण ले सकते हैं। इन जैसे महान व्यक्तियों का जीवन आर्थिक तंगी के बीच व्यतीत हुआ है।

प्रश्न 2. (क) अपनी गलतियों के लिए माफ़ी माँगना आसान होता है या मुश्किल?
(ख) क्या आप और आपके आसपास के लोग अपनी गलतियों के लिए माफ़ी माँग लेते हैं?
(ग) माफ़ी माँगना मुश्किल होता है या माफ़ करना? अपने अनुभव के आधार पर लिखिए।

उत्तर-

(क) अपनी गलतियों के लिए माफ़ी माँगना कठिन होता है, क्योंकि हमें दूसरे के सामने अपने स्वाभिमान को झुकाना पड़ता है। माफ़ी माँगने का अर्थ है किसी के सामने झुकना अपने को छोटा बनाना।
(ख) नहीं, कई बार लोग गलती मानने को तैयार नहीं होते वे गलतियाँ करते हैं, साथ ही साथ अकड़ भी दिखाते हैं।
(ग) माफ़ी माँगना आसान है, जबकि माफ़ करना उससे ज्यादा कठिन है। माफ़ी माँगना इसलिए आसान है क्योंकि माफ़ माँगने के लिए एक बार झुककर अपने स्वाभिमान को झुकाना पड़ता है जबकि कभी-कभी माफ़ करना ज्यादा कठिन होता है क्योंकि जब कोई अपराध बड़ा होता है तो उस परिस्थिति में माफ़ कर पाना माफ़ी माँगने से ज्यादा कठिन होता है। कभी-कभी माफ़ करने वाला कई बार बिना माफ़ी माँगे ही माफ़ कर देता है।

भाषा की बात

प्रश्न 1.
नीचे कुछ शब्द लिखे हैं जिसमें अलग-अलग प्रत्ययों के कारण बारीक अंतर है। इस अंतर को समझाने के लिए इन शब्दों का वाक्य में प्रयोग कीजिए?

प्रेरणा	**प्रेरक**	**प्रेरित**
संभव	संभावित	संभवतः
उत्साह	उत्साहित	उत्साहवर्धक

उत्तर-

(क) **प्रेरणा-** हमें महापुरुषों के विचारों से प्रेरणा लेनी चाहिए।
प्रेरक- महापुरुषों का जीवन सदैव जन-जन के प्रेरक रहे हैं।
प्रेरित- गुरु जी ने हमें उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित किया।

egyanarchive

(ख) **संभव-** आज उसका दिल्ली आना संभव है।

संभावित- अपनी संभावित कश्मीर यात्रा के लिए मुझे तैयारियाँ तो करनी होंगी।

संभवतः - संभवतः पिता जी आज दिल्ली आए।

(ग) **उत्साह-** खेल के मैदान में खिलाड़ियों का उत्साह देखते बनता था।

उत्साहित- मैं इस यात्रा को लेकर काफ़ी उत्साहित हूँ।

उत्साहवर्धक- खेल के मैदान में प्रधानमंत्री का संदेश खिलाड़ियों के लिए उत्साहवर्धक था।

प्रश्न 2. तुनुकमिज़ाज शब्द तुनुक और मिज़ाज दो शब्दों के मिलने से बना है? क्षणिक, तनिक और तुनुक एक ही शब्द के भिन्न रूप हैं। इस प्रकार का रूपांतर दूसरे शब्दों में भी होता है, जैसे बादल, बादर, बदरा, बदरिया, मयूर, मयूरा, मोर, दर्पण, दर्पन, दरपन। शब्दकोश की सहायता लेकर एक ही शब्द के दो या दो से अधिक रूपों को खोजिए। कम से कम चार शब्द और उनके अन्य रूप लिखिए।

उत्तर-

1- आग - अग्नि, ज्वाला, अनल

2- चाँद - चंद्र, चंदा, राकेश

3- समुद्र- समंदर, सागर, पयोध

4- मातृ- माता, माँ, जननी

प्रश्न 3. हर खेल के अपने नियम, खेलने के तौर-तरीके और अपनी शब्दावली होती है। जिस खेल में आपकी रुचि हो उससे संबंधित कुछ शब्दों को लिखिए, जैसे–फुटबॉल के खेल से संबंधित शब्द हैं-गोल, बैकिंग, पासिंग, बूट इत्यादि।

उत्तर-

क्रिकेट – एंपायर, रन, क्षेत्र-रक्षण, चौका, छक्का।

egyanarchive